विचार प्रवाह

मुखोटे

21वीं सदी की नारी ने न सिर्फ अपने घूंघट को अपने से अलग किया है वरन उसने अपने कुछ यथोचित गुणों को भी तिलांजलि दे दी है ।

घूंघट में रहने वाली, पर्दा करने वाली और पर पुरुष के सामने नज़रे नीचे करके दरवाजे के पीछे से या परदे के पीछे से धीमी -मधुर भाषिणी आज ना सिर्फ जींस टॉप ,क्रॉप टॉप -स्कर्ट में हाई हील की सैंडल पहन कर लैपटॉप पर अपनी नर्मो- नाजुक उंगलियां दौड़ा रही है वरन् वह बिकनी में भी बिना किसी शर्म के समुद्र का सीन चीरती नजर आ जाती है।

21वीं सदी को स्त्री सदी के रूप में उल्लेखित किया जा सकता है क्योंकि इसी सदी में महिला सशक्तिकरण को लेकर सर्वाधिक कार्य हुआ है। इसी सदी में सर्वाधिक महिलाओं की यथा- किरण बेदी, इंदिरा नूई ,अर्चना शर्मा, चंदा कोचर , एंजेला मार्कल, जूलिया गिलाई ,सुषमा स्वराज द्रौपदी मुर्मू आदि ने ना सिर्फ अपने काम से सदी में अपने नाम के परचम को फहराया है वरन दूसरों को सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ने की राह भी सुलभ करवाई है ।

तो वहीं सिक्के का दूसरा काला पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है

, जहां ! अति ख्वाहिश या हवस की मारी नारियां यथा मुस्कान और रविता जैसी महिलाओं का एक अलग घिनौना चेहरा आज समाज के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है

कब.. क्यों ..और कैसे? एक ममतामई स्नेही और सहनशील नारी जो सृष्टि की जन्मदात्री है कातिल बन रही है उसके मन में इतना क्रोध क्यों?

कहीं लगातार उसकी इच्छाओं आकांक्षाओं को दबाए जाने की वजह से तो नहीं है । सदियों तक अंदर ही अंदर धधकता लावा ज्वालामुखी बन कर जब फूटता है तो उसका रूप बहुत ही विकराल होता है ।

कोख में मार देना ,गाली -गलौज, छेड़छाड़ -बलात्कार का दबाव सहते-सहते महिलाएं अपने हक और अधिकारों को लेकर जागरूक हुई।

बदलाव की मीठी बयार यकायत जहरीली होने लगी जब नन्ही बच्चियों के जीवन और नारी जाति के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह लगने लगे ,तब स्त्री का एक अलग ही अवतार हमारे सामने अचानक का खड़ा हुआ है7

कभी अपने अधिकारों के लिए एक शब्द भी ना बोल पाने वाली महिला अपनी ख्वाहिशों और प्यार की खातिर बॉर्डर पार करने से भी नहीं हिचकिचाती। पाकिस्तान से आई सीमा हैदर की हैरत -अंगेज कर देने वाली कहानी बताती है कि अब महिलाएं न सिर्फ देहरी वरन अपनी खुशियों के लिए बॉर्डर भी लांघने से गुरेज नहीं कर रही हैं। एक तरफ महिलाओं की बढ़ती आजाद ख्याली और दूसरी तरफ समाज में परिवारों का होता विघटन । नित नए तलाक के बढ़ते केस, बच्चों का छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजित हो जाना बुजुर्गों का अकेलापन आदि समाज की चिंता को बढ़ा रहे हैं।

क्या हमें थोड़ी देर ठहर कर यह देखने -समझने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि समाज किस तरफ का रुख कर रहा है? सफलता के लिए कदम बढ़ाना अच्छी बात है और इसके लिए किसी भी हद तक जाना जायज है । लेकिन सफलता के नशे में हदें तोड़ देना या आजादी के नाम पर नग्नता से पेश आना कदापि सही नहीं है ।

प्रकृति अपनी हदें कभी नहीं तोड़ती। हमें सदैव प्रकृति से सीख लेनी चाहिए ।आदिकाल से ही प्रकृति अपने बनाए नियमों के अनुसार चल रही है ।

मनुष्य एक तरफ प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है तो दूसरी तरफ समाज के बनाए नियमों को दरकिनार करके लिव इन रिलेशन में रह रहा है। कानून भी इसमें उनका पूरा साथ दे रहा है। समाज की शर्म तो आज मानव के चेहरे पर किंचित मात्र भी नहीं रह गई है ।

समाज यदि यूं ही खिलंदडता के साथ एक- दूसरे की भावनाओं से खेलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब समाज नाम की परंपराएं चरमरा जाएंगी और हम इंसान होने पर शर्म महसूस करेंगे।

दविंदर कौर होरा इंदौर मध्य प्रदेश

सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ चार्ज शीट दाखिल करना बेहद निंदनीय- शाहबाज़ आलम

इंदौर। ईडी की चार्जशीट के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर उतर आई है। देशभर से कांग्रेसी तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रदेश

प्रवक्ता शाहबाज़ आलम ने कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और उनके खिलाफ चार्ज शीट दाखिल करने की कड़ी शब्दों में निंदा करता हूं। शाहबाज़ आलम ने कहा कि मोदी सरकार का यह निरंकुश कदम और राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। नेशनल हेराल्ड और पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मनमाने और अन्यायपूर्ण संपत्ति जब्ती और आरोप पत्र दायर करना यह कानूनी प्रक्रिया का मामला नहीं यह कानून के शासन के रूप में एक राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आरोप पत्र दायर करना यह विपक्ष पर सीधा हमला है। यह केंद्र सरकार के कायरता पूर्ण कार्रवाई से पूरे देश के कांग्रेसी आक्रोशित है। इसका खामियाजा केंद्र सरकार को भुगतना पड़ेगा।

कार्टून कोना

सिगनल एंड टेलीकॉम विभाग को मिली सिगनल एंड टेलीकॉम दक्षता शील्ड

इन्दौर। मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री अश्वनी कुमार के सशक्त निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री आर.एस. मीना के कुशल नेतृत्व में संकेत एवं दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बेहतर कार्य क्षमता का प्रदर्शन करते हुए संरक्षा, सुरक्षा, यात्री सुविधा के साथ ही अधोसंरचनात्मक विकास के क्षेत्र में किये गये नवोन्मेषी कार्यों में उत्कृष्टता हासिल की। और इसी का प्रतिफल है कि वर्ष 2024-25 का सिगनल एंड टेलीकॉम विभाग की दक्षता शील्ड।

वर्ष 2024-25 में रतलाम मंडल का सिगनल एंड टेलीकॉम विभाग ने कई सारी उपलब्धियों को हासिल किया है जिसमें एक वर्ष में सबसे अधिक स्टेशनों का ई.आई.(इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग), दुर्घटना रोधी कवच सिस्टम का ट्रायल, गोधरा - दाहोद के मध्य कांसुधी-चंचेलाव- संतरोड-पिपलोद स्टेशनों के मध्य ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्रमुख कार्य भी किये गये।

इस वर्ष में गोधरा नागदा के मध्य तीन स्टेशनों और नागदा भोपाल के मध्य चार स्टेशनों कुल मिलाकर 7 स्टेशनो(पिपलोद, जेकोट, मंगल महुडी कालीसिंध पिंगलेश्वर, बोलाई एवं ताजपुर

)पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग लगाने का कार्य किया गया जो कि अभी तक का एक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसी क्रम में ताजपुर स्टेशन पर डायरेक्ट ड्राइव का इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग लगाया गया जो कि भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम है तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की सबसे नवीनतम तकनीकी है।

रतलाम-ग्वालियर एवं रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के कोच कंपोजिशन में परिवर्तन

इन्दौर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के रतलाम-ग्वालियर एवं रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के रेक को वर्ष 2023 में रेलवे बोर्ड द्वारा जारी पत्रानुसार स्टैंडराइज करने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में दोनों ट्रेनों का परिचालन अलग-अलग तिथियों से परिवर्तित कोच कंपोजिशन के साथ किया जाएगा।

गाड़ी संख्या 11126 ग्वालियर रतलाम एक्सप्रेस 21 अप्रैल, 2025 से तथा गाड़ी संख्या 11125 रतलाम ग्वालियर एक्सप्रेस 23 अप्रैल, 2025 से एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, दो थर्ड एसी इकोनॉमी, छः स्लीपर एवं चार सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी। गाड़ी संख्या 21126 भिंड रतलाम एक्सप्रेस 23 अप्रैल, 2025 से तथा गाड़ी संख्या 21125 रतलाम भिंड एक्सप्रेस 22 अप्रैल, 2025 से एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, दो थर्ड एसी इकोनॉमी, छः स्लीपर एवं चार सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी।

पिंक फ्लावर विद्यालय ने कक्षा 12 के विद्यार्थियों को भव्य विदाई दी

इन्दौर। पिंक फ्लावर स्कूल ने हाल ही में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए भव्य ग्रेजुएशन एवं फेयरवेल समारोह आयोजित किया। स्कूल परिसर को विद्यार्थियों की बचपन की तस्वीरों और ग्रेजुएशन फोटो के साथ खूबसूरती से सजाया गया था, जिसमें उनकी स्कूल यात्रा की यादें संजोई गई थीं।

विद्यार्थियों का कक्षा 11 के जूनियर्स द्वारा तिलक, फूलों और सेक्शन नेम बोर्ड्स के साथ गरिमामयी स्वागत किया गया। इस अवसर पर रोमांचक खेल, विभिन्न पुरस्कार वितरण और 100 प्रतिशत उपस्थिति, शैक्षणिक उत्कृष्टता, स्कूल प्राइड और मिस्टर एवं मिस फेयरवेल जैसे विशेष सम्मान प्रदान किए गए।

प्रत्येक विद्यार्थी को हस्तनिर्मित शील्ड भेंट की गई, जिस पर उनकी विशेषताओं का चित्रण किया गया था, साथ ही पेन, टी-शर्ट और बैच स्ट्रिप्स जैसी यादगार भेंट दी गई। स्कूल के संस्थापक श्री जी.डी. सोनी की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

भावनात्मक क्षण तब आया जब एक विशेष डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई, जिसमें शिक्षकों और स्टाफ के संदेशों ने पुरानी यादों को ताज़ा कर दिया और विद्यार्थियों की आँखें नम कर दीं।

अटल गृह ज्योति योजना में उपभोक्ताओं को दी 147 करोड़ रुपए की सब्सिडी

इंदौर। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन कर रही हैं। पिछले एक बिल माह के दौरान मालवा निमाड़ में 31.82 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए है।

इन उपभोक्ताओं प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट की दर से प्रदान की गई है। इन उपभोक्ताओं को मप्र शासन की ओर से एक माह के दौरान कुल 147 करोड़ रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 4.65 लाख बिजली उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। मप्र के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान के बाद फीडबैक भी नियमित रूप से लिया जाता हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तीस दिन के दौरान 150 यूनिट व प्रतिदिन औसत पांच यूनिट की खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता से इस योजना की पात्रतानुसार लाभान्वित किया जा रहा है। बीते एक बिल माह में माह कंपनी क्षेत्र में 31 लाख 82 हजार उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। इंदौर जिले 4.65 लाख उपभोक्ता बीते एक माह के दौरान गृह ज्योति योजना से लाभान्वित हुए है। इंदौर जिले के इन पात्र उपभोक्ताओं को करीब 18 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गई हैं। धार जिले में करीब 3 लाख, उज्जैन जिले में 2.96 लाख, खरगोन जिले में 2.74 लाख उपभोक्ता योजना से लाभान्वित हुए है। इसी तरह रतलाम जिले में 2.45 लाख, देवास जिले में 2.17 लाख, मंदसौर जिले में 2.28 लाख, खंडवा 2 लाख, बड़वानी जिले में 1.99 लाख, झाबुआ जिले में पौने 2 लाख के करीब उपभोक्ताओं को सौ यूनिट तक बिजली का बिल 100 रूपए तक प्रदान कर सब्सिडी का लाभ दिया गया हैं। अन्य जिलों में भी 90 हजार से लेकर 1.35 लाख घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। मप्रपक्षेविविकं इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत प्रतिदिन अधिकतम 5 यूनिट खपत वाले घरेलू उपभोक्ता पात्रता में आते है। प्रतिदिन औसत पांच यूनिट से ज्यादा बिजली उपयोग करने वालों को माह विशेष में सब्सिडी नहीं मिलती हैं।

रतलाम मंडल पर पेंशन अदालत जून-2025 का आयोजन

इन्दौर। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर पेंशन या परिवार मेंशन मिलने में किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए 16 जून, 2025 दिन सोमवार को पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 09 मई, 2025 है।

वैसे रेल कर्मचारी जो रतलाम मंडल पर कार्यरत थे और सेवानिवृत्त होकर पेंशन प्राप्त कर रहे हैं या उनके आश्रित पेंशन प्राप्त कर रहे हैं तथा उनके पेंशन में किसी प्रकार की विसंगति है तो उसका निराकरण करने के लिए 16 जून, 2025, सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रतलाम द्वारा पेंशल अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस पेंशन अदालत में पेंशन से संबंधित शिकायतें जैसे-पेंशन समय पर नहीं मिलना, पेंशन की राशि घटा/बढ़ा कर दिया जाना, पेंशन किसी कारणवश बंद हो जाना, पेंशन में किसी प्रकार की कटोत्रा किया जाना आदि का निराकरण किया जाएगा।

जिन पेंशन उपभोक्ताओं को अपनी पेंशन संबंधी शिकायतों का निराकरण पेंशन अदालत के दौरान करवानी है वो 09 मई, 2025 तक अपना लिखित आवेदन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी(पेंशन अदालत जून 2025), स्था/निपटारा अनुभाग, दूसरी मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, दो बत्ती चौराहा, रतलाम मध्य प्रदेश 457001 पर भेज सकते हैं ताकि शिकायतों को शीघ्रता के साथ निपटारा किया जा सके।

केन्द्रीय संग्रहालय में होलकरों का वैभव विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन

विश्व धरोहर दिवस पर हेरिटेज वॉक

इंदौर (नवीन मौर्य) । विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर संचालनालय, पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय मध्यप्रदेश द्वारा 18 अप्रैल को दो कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए उप संचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय पश्चिमी क्षेत्र इंदौर ने बताया कि विश्व धरोहर दिवस पर पहला कार्यक्रम हेरिटेज वॉक का हुआ।

हेरिटेज वॉक मध्य राज्य संरक्षित स्मारक बोलिया सरकार की छत्री से प्रारंभ होकर स्मारक राजवाड़ा पर समाप्त हुई। इस कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों के साथ पद्मश्री भालू मोढ़े एवं प्रवीण श्रीवास्तव कंजर्वेशनिस्ट द्वारा स्मारकों के इतिहास, कंजर्वेशन व फोटोग्राफी के संबंध में जानकारी दी, तथा अपने अनुभव साझा किये। इस आयोजन में इंटेक चेप्टर इंदौर व वैष्णव विश्वापीठ का भी सक्रिय सहयोग रहा। दूसरा कार्यक्रम होलकरों का वैभव विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन है, जो केन्द्रीय संग्रहालय में आयोजित हुआ। इस छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ प्रातः 10.30 बजे सांसद शंकर लालवानी ने किया। प्रदर्शनी में लगभग 55 छायाचित्र का समावेश है, जिनमें होलकर राजाओं के चित्र तथा उस समय के विभिन्न स्थापत्य एवं अभिलेखों को प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी आगामी एक सप्ताह तक दर्शकों के लिए निःशुल्क रहेगी। विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय विभाग द्वारा प्रदेश के सभी संग्रहालयों/स्मारकों पर 18 अप्रैल को प्रवेश भी निःशुल्क रखा गया है।

16,000 निजी स्कूलों को फीस नियमों में मिली छूट

25 हजार से कम फीस, पोर्टल पर जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं

इन्दौर। 25 हजार रुपए से कम वार्षिक फीस वसूलने वाले निजी स्कूलों को अब स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

विभाग ने साफ किया है कि जिन निजी विद्यालयों द्वारा 25 हजार रुपए से अधिक वार्षिक फीस वसूली जा रही है, उन्हें पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसके लिए अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गई है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि बिना अनुमति और उचित कारण के फीस नहीं बढ़ाई जा सकेगी।

प्रदेश में कुल 34,652 निजी स्कूल हैं, जिनमें से लगभग 16,000 स्कूल ऐसे हैं जिनकी किसी भी कक्षा में वार्षिक फीस 25 हजार रुपए या उससे कम है। मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित फीस संरचना (कक्षा एवं संवर्गवार) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। यह अधिनियम 31 जनवरी 2025 से प्रभावी हुआ है। शुरू में इसकी अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई थी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि कई विद्यालयों ने पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने में तकनीकी समस्याओं की जानकारी दी है। इसे ध्यान में रखते हुए अपलोड की समय सीमा 15 मई तक बढ़ा दी गई है।

बिना अनुमति 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं फीस

इस अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि विद्यालय 10 प्रतिशत तक सालाना फीस वृद्धि बिना किसी पूर्व अनुमति के कर सकते हैं। इससे ज्यादा बढ़ाने के लिए संबंधित जिला समिति की अनुमति लेना आवश्यक होगा। यह प्रावधान इसलिए रखा गया है ताकि अभिभावकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न पड़े। नई उपधारा के तहत, जिन स्कूलों की वार्षिक फीस 25 हजार रुपए से कम है, वे इस अधिनियम के दायरे से बाहर रहेंगे। इसके अतिरिक्त, फीस नियमन एवं संबंधित विषयों के लिए जिला स्तर पर और राज्य स्तर पर समिति गठित की गई है, जो इन मामलों की निगरानी करेगी।

कविता का फलक बहुत विशाल–सुषमा व्यास

इन्दौर। संस्था इंसा की मासिक बैठक में व्रजेन्द्र नागर की कृति प्रात स्मरण काव्य संग्रह पर चर्चा की गई।

साहित्यकार सुषमा व्यास ने कहा कि कविता का फलक बहुत विशाल होता है इसका कोई ओर ना कोई छोर होता है। कविता विधा सागर सी विस्तृत है जितनी बार इसमें डुबकी लगाओ, पढ़ो हर बार नये चिंतन अर्थ के साथ जुड़ते जाते हैं। उन्होंने किताब पर कहा कि सुंदर सरल सहज हृदयग्राही संवेदनाओं की हल्की आंच पर सिकी इस संग्रह की कविताओं में गहरी समझ और संकेत छुपे हुए हैं। इन कविताओं में जीवन के आसपास बिखरी लोक संस्कृति और रिश्ते किसी निर्झरिणी की तरह बहते हुए दिखाई देते हैं। कुछ कविताओं में दार्शनिक चिंतन दिखाई देता है। आध्यात्म की गहनता है तथा ईश्वर की भक्ति समाहित है।

रमेशचंद्र शर्मा ने कहा ये संग्रह अंतर्मन की व्यथा कथा के साथ ही जीवन के विविध रंगों का पठनीय गुलदस्ता है। इन कविताओं में जीवन की विसंगतियों को उजागर करके यथार्थवादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। मुकेश इन्दौरी ने कहा कि इस संग्रह की रचनाओं में पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीयता, तीज-त्योहार, मानवता और प्रकृति आदि विविध विषयों पर अंतर्मन की अभिव्यक्ति है। अध्यक्षता डॉ. अनुपमा कासलीवाल जैन ने की। संचालन मुकेश इन्दौरी और संस्था सचिव रामनारायण सोनी ने किया। आभार वाय के गुप्ता ने माना। इस अवसर सी राज सांधेलिया, प्रमोद माथुर, प्रकाशचन्द्र मुन्शी, ओमप्रकाश जोशी, सुरेश रायकवार, राकेश तिवारी, राम नगीना आदि ने कविता, गीत, गजलों की प्रस्तुती देकर मन मोह लिया।